सेवा परमो धर्मः

श्री बालाजी धाम हांसी

नंद नगर, हांसी, हिसार, हरियाणा
मो0 : 9034045050, 9034055050

प्रिय सज्जनों / श्रद्धालुओं,

श्री बालाजी धाम हांसी की स्थापना श्रद्धेय (महंत) डॉ. दिनेश कुमार जी के सान्निध्य में श्री बालाजी धाम मेहन्दीपुर, राजस्थान से लाई गई अखण्ड ज्योति के साथ हुई है तब से धाम अपनी विलक्षणता व अनोखी विशेषताओं के साथ देश-विदेश के कोने-कोने से आ रहे लाखों जनमानस के शारीरिक, भौतिक व दैविक संकटों / कष्टों का विशुद्ध वैदिक सनातन व शाश्वत विधि के माध्यम से स्थाई तौर पर समाधान उनसे कोई फीस / शुल्क लिए बिना करने व उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति करने में निरन्तर प्रयासरत है।

धाम की विलक्षण विशेषताएं :-

1. धाम पर आने वाले व इससे जुड़ने वाले श्रद्धालुओं को अपने संकट के व अपनी मनोकामनाओं के विषय को धाम सेवा समिति के किसी भी सदस्य को व महन्त जी को भी नहीं बताना होता है। महन्त जी धाम पर 'दिव्य दरबार' (प्रत्येक माह शुक्ल पक्ष (चांदनी) की त्रयोदशी, चतुर्दशी व पूर्णिमा) में उनके संकटों व मनोकामनाओं के विषय, विषय का कारण और कारण का निवारण स्वयं उन्हें बुलाकर मर्यादित तरीके से बताते हैं ।

2. संकटधारियों के संकटों का स्थाई समाधान व उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति धाम पर विभिन्न कर्म-काण्डों (बन्धन का खुलना, दिव्य अवधान कराना, यज्ञ / हवन आदि का कराना) के माध्यम से होता है। अवधान एक विशेष व एलौकिक कर्मकाण्ड है जो समूचे विश्व में किसी भी धार्मिक स्थल / धाम / मंदिर आदि में देखने को नहीं मिलता है। यह धाम ही मात्र ऐसा धाम हैं जहाँ यह कराया जाता है। इस कर्म-काण्ड में स्वयं गुरूजी महाराज दिव्य बीज मंत्र/ पाठ की सहायता से दैविक शक्तियों का आह्वान करके धरती पर अपने-अपने आसन पर लेटे समस्त भक्तगणों के शारीरिक कष्ट/दुःख-दर्द/बिमारियों/जन्म-जन्मांतर के पाप कर्मों को क्षणभर में दूर करते हैं। अवधान के दौरान कई साधक गहरी निंद्रा में चले जाते हैं। इतना ही नहीं, कई भक्त अपने-अपने अनुभव बताते हैं कि उनको इस दौरान माता दुर्गा/ महादेव व अपने इष्ट देवता के दर्शन प्राप्त हुए हैं। ये भक्त के अपने आत्म-अनुभव का विषय है। वे कहते हैं हमारे जन्म-जन्मांतर की प्यास इसी अवधान के माध्यम से तृप्त हुई है। लाखों लोगों की लाईलाज बिमारियाँ ठीक हो गई हैं और तो और कई वर्षों से जिनके यहाँ संतान नहीं थी उन्हें संतान कि प्राप्ति हो गई है।

3. धाम के विशेष तिथि व पर्व (शिवरात्रि / नवरात्रि) पर श्रद्धालुओं को संतान प्राप्ति हेतु 'मन मंथ' और धन प्राप्ति / मनोकामना पूर्ति हेतु 'श्री मंथ' अनुष्ठान कराया जाता है जो पूर्ण रुप से प्रमाणित हैं और सबकी मनोकामना प्राप्ति हेतु फलदायक है।

4. धाम में पितृ दोष निवारण हेतु एवं पितृ कृपा प्राप्ति हेतु वर्ष में एक बार श्री गया जी धाम, गया (बिहार) में आदरणीय गुरूजी महाराज के सान्निध्य में तीन दिवसीय 'पिण्ड दान' कराया जाता है जिससे अनेक वर्षों से पीड़ित परिवार प्रेत-बाधा से मुक्त होकर खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

5. पित्रों की खुशी हेतु धाम पर हर महीने अमावस्या को तीन पितृ-भोग थाली (अन्नदान) की श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु इन तीन थाली की दक्षिणा राशि 300 / - (तीन सौ रूपए) ऑन लाइन धाम के ट्रस्ट के खाते में डालते हैं। महन्त जी स्वयं सभी के द्वारा दिए गए अन्नदान को श्री बालाजी महाराज के माध्यम से उनके पित्रों तक पहुँचाते हैं। बहुत से परिवार ऐसे हैं जिनके संतान नहीं थी, भगवान की कृपा और पितृ देवता की दया से उनको संतान प्राप्त हुई । आज वे खुशहाल व सुखमय जीवन जी रहे हैं।

6. धाम पर पूजनीय गुरूजी महाराज सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए देश-विदेश में 'दिव्य दरबार' लगाते हैं। साथ ही जनाश्रय चैरिटेबल ट्रस्ट (श्री बालाजी धाम हांसी इसकी एक इकाई हैं) के आजीवन सदस्यों के आग्रह पर उनके जीवन को सुखमय व खुशहाल बनाने हेतु आध्यात्मिक चिंतन शिविर / दुःख निवारण समागम समय-समय पर करते रहते हैं।

7. धाम पर सभी संकटों का निवारण व उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति पूर्णतयः कर्म-योग व भक्ति योग से स्थाई तौर पर चमत्कारी तरीके से होती है। यहाँ पर पूछना पछाना / झाड़-फूंक की कोई जगह नही हैं।

8. श्री बालाजी धाम हांसी में प्रत्येक श्रद्धालु को धाम में आने की एवं धाम से घर जाने की दरख्वास्त / रपट लगानी पड़ती है। यदि विषय गंभीर है तो प्रत्येक श्रद्धालु अर्जी लगाए (एक अर्जी श्री बालाजी महाराज की व दूसरी अर्जी माँ भगवती की) । ध्यान रहे, एक अर्जी, एक बार एक ही विषय पर एक व्यक्ति द्वारा लगाई जाती है। अर्जी की पूरी सामग्री एवं लगाने की विधि पूर्ण रूप से जान लेनी चाहिए और विधिवत् रुप से लगाएं। इसकी विस्तृत जानकारी श्री बालाजी धाम हांसी यू-ट्यूब पर देखें ।

9. धाम पर आने वाले सभी श्रद्धालु एक समान हैं व आदरणीय हैं। यहाँ छोटे-बड़े, ऊँचे-नीचे, अमीर-गरीब और जात-पात, सम्प्रदाय, पंथ, मज़हब आदि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता। धाम की व्यवस्था सबके लिए एक है। अतः आओ सब मिलकर धाम से जुड़ें व अन्यों को भी जोड़ें। कर्म - योग व भक्ति योग के माध्यम से अपने संकट कटवाएं, मनोकामनाओं की पूर्ति कराएं और अपने जीवन को सुखी व खुशहाल बनाएं। श्री बालाजी महाराज आप सबका कल्याण करें।

नोटः- धाम की हर गतिविधि की जानकारी सोशल मीडिया यू-ट्यूब पर श्री बालाजी धाम हांसी पर उपलब्ध है

Type : Shree Balaji Dham Hansi On Youtube

/Shree Balaji Dham Hansi

श्री बालाजी धाम हांसी

YouTube /Shree Balaji Dham Hansi

नंद नगर, हांसी, हिसार, हरियाणा

जनाश्रय चैरिटेबल ट्रस्ट, 9034047070